

उत्तराखण्ड शासन
औद्योगिक विकास अनुभाग-2
संख्या: 6018/VII-2/312-उद्योग/2007
देहरादून दिनांक: 19 दिसम्बर 2007

अधिसूचना

औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-387/2007-उ0नि0/पी0एस0/आई0डी0/06 दिनांक 20 दिसम्बर, 2006 द्वारा मैगा प्रोजेक्ट हेतु विशेष औद्योगिक क्षेत्र अधिसूचित किये जाने विषयक जारी नीति/दिशा निर्देशों के अधीन उद्योग निदेशालय की संस्तुति संख्या 531/उ0नि0-मैगा प्रो0/2007-08 दिनांक 16 मई, 2007 के संन्दर्भ में मै0 बोरसिल ग्लास वर्क्स लि0, खन्ना कंस्ट्रक्शन हाउस, 44-डा0 आर0जी0 थडानी मार्ग, बली मुम्बई द्वारा ग्राम नलहेडी, देहवीरान, तहसील रुड़की जनपद हरिद्वार में कय की गयी अतिरिक्त कुल 2.154 एकड़ भूमि जिसके खसरा नंबर निम्न तालिका में दर्शाये हैं, को निम्नलिखित प्रतिबन्धों एवं शर्तों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय विशेष औद्योगिक क्षेत्र को रख में विनियमित/अधिसूचित करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

राजस्व ग्राम का नाम	खसरा नंबर	भूमि का क्षेत्रफल (एकड़ में)
नलहेडी, देहवीरान, तहसील-रुड़की	219 से 222 व 227	2.154 एकड़

- भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या-50/2003 सी0ई0 दिनांक 10 जून, 2003 के Annexure-II में जनपद हरिद्वार के अन्तर्गत Category-B Proposed Industrial Area/Estates के रूप में जनपद हरिद्वार, तहसील रुड़की, ग्राम-नलहेडी, देहवीरान के अन्तर्गत अधिसूचित भूमि पर ही स्थापित होने वाली नई औद्योगिक इकाईयों (नकारात्मक सूची के क्रियाकलापों को छोड़कर) को विशेष प्रोत्साहन पैकेज का लाभ अनुमन्य होगा।
- GIDCR-2005 में औद्योगिक इकाईयों की स्थापना के लिये भवन निर्माण हेतु दिये गये उपबन्धों, उपबन्धों विधियों/उपविधियों का पालन करना होगा।
- प्रस्तावित मैगा प्रोजेक्ट की स्थापना हेतु प्रवर्तक द्वारा भूमि कय अनुमति है। अतः विशेष औद्योगिक क्षेत्र के नियोजित विकास हेतु निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित भूमि कय पितेस पत्र (Sale Deed) निष्पादित कराकर GIDCR-2005 के उपबन्धों के अनुरूप (i) कृषि भू-उपयोग से औद्योगिक भू-उपयोग परिवर्तन सुनिश्चित करना होगा (ii) तत्परवात औद्योगिक आस्थान में स्थापित होने वाली औद्योगिक इकाईयों के भवन मानचित्र उत्तराखण्ड राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (सीडब्ल्यू) से स्वीकृत करना होगा।
- विशेष औद्योगिक क्षेत्र के रख-रखाव, अवस्थापना सुविधाओं के विकास तथा अन्य नगरिक सुविधाओं का दायित्व, आस्थान के प्रवर्तक/कम्पनी का होगा।
- मैगा प्रोजेक्ट की स्थापना के लिये विभिन्न विभागों जैसे वन एवं पर्यावरण विभाग, राजस्व विभाग, अग्निशमन विभाग, उत्तरांचल पावर कारपोरेशन आदि से वांछित विभिन्न स्वीकृति/अनुमति/अनुमोदन/अनापत्ति आदि जो भी वांछित औपचारिकतायें अपेक्षित होंगी, वह प्रवर्तक द्वारा स्वयं पूरे की जायेगी।
- प्रवर्तक कम्पनी विशेष औद्योगिक क्षेत्र में प्रस्तावित उद्योग की स्थापना के उपरान्त 70 प्रतिशत रोजगार/सेवायोजन स्थानीय व प्रदेश के लोगों को उपलब्ध कराया जायेगा तथा भूमि/भूखण्ड की कय पत्र/लीज डीड में भी इस शर्त को उल्लिखित किया जायेगा।
- कय की जाने वाली भूमि का उपयोग ग्लास उद्योग की स्थापना हेतु किया जायेगा।
- विशेष औद्योगिक क्षेत्र के विकास हेतु औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन तथा निदेशालय, उद्योग उत्तराखण्ड शासन द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों तथा प्रदेश की औद्योगिक नीति के अन्तर्गत ऐसी औद्योगिक इकाईयों, जिन्हें राज्य सरकार द्वारा हतोत्साहित किया जा रहा है अथवा जो भारत सरकार की नकारात्मक सूची में सम्मिलित हैं, की स्थापना औद्योगिक आस्थान में नहीं की जायेगी।

9. मैगा प्रोजेक्ट्स हेतु स्पॉट जोनिंग के लिए निश्चित मानको/दिशा निर्देशों का पूर्णतः पालन किया जायेगा तथा प्रोजेक्ट में प्रस्तावित पूंजी निवेश 31 मार्च, 2010 तक पूर्ण करना होगा।
- 10- प्रवर्तक द्वारा परियोजना की स्थापना की प्रति एवं विकास कार्यों आदि के सम्बन्ध में महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र/निदेशक, उद्योग, उत्तराखण्ड को समय-समय पर सूचना निवमित रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।
- 11- विशेष औद्योगिक क्षेत्र के विनियमन तथा निर्देशों के क्रियान्वयन हेतु समय-समय पर कार्यकारी निर्देश जारी करने के लिए निदेशक, उद्योग, उत्तराखण्ड सक्षम प्राधिकारी होंगे।
12. उपरोक्त उल्लिखित प्रतिबन्धों/शर्तों का उल्लंघन करने पर अथवा किसी कारणों से शिरो शासन उचित समझता हो सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से यह अधिसूचना (नोटिफिकेशन) निरस्त किया जा सकता है।

(पी0सी0 शर्मा)
प्रमुख सचिव

पृष्ठांकन संख्या: 6018(1)/VII-2/312-उद्योग/2007 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निदेशक, उद्योग, उत्तराखण्ड, उद्योग निदेशालय, देहरादून।
2. सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
3. स्टाफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
4. निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन को अपर मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
5. संयुक्त सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक नीति संवर्द्धन विभाग), उद्योग भवन, नई दिल्ली।
6. आयुक्त, मद्रवाल/कुमायूँ मण्डल।
7. अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड राज्य ऊर्जा निगम, ऊर्जा भवन, देहरादून।
8. मुख्य अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, देहरादून।
9. अध्यक्ष, समस्त उद्योग सघ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
10. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
11. प्रबन्ध निदेशक, सिडकुल, देहरादून।
11. मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक, उत्तराखण्ड, देहरादून।
12. सचिव, उत्तराखण्ड पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, देहरादून।
13. महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, हरिद्वार।
14. मै0 बोरासिल ग्लास वर्क्स लि0, खन्ना कंस्ट्रक्शन हाउस, 44-डा0 आर0जी0 बडानी मार्ग, बर्ली मुम्बई।
15. NIC, उत्तराखण्ड, सचिवालय परिसर।
16. गार्ड फाईल।

आज्ञा रा

(पी0सी0 शर्मा)
प्रमुख सचिव।